वर्णमाला:-

●भाषा की सबसे छोटी इकाई ध्वनि होती है, और इस ध्वनि को वर्ण कहते हैं।

●वर्णों के व्यवस्थित समूह को वर्णमाला कहते हैं।

●हिन्दी वर्णमाला में कुल वर्णों की संख्या 52 है।

●हिन्दी वर्णमाला को 2 भागों में बाँटा गया है।

1.स्वर 2. व्यंजन

●जो वर्ण स्वतनत्र रूप से बोले जाते हैं वे स्वर कहलाते हैं।

स्वर के प्रकार:

● 1.मूल | ह्रस्व / लघु स्वर - मात्रा- अ, इ, उ, ऋ

● 2.दीर्घ स्वर- मात्रा आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ

● 3.प्लुत स्वर- मात्रा- ओउम

●जिन स्वरों के उच्चारण में बहुत कम समय लगता मूल स्वर या ह्रस्व स्वर या लघु स्वर कहलाते हैं। जैसे:- अ, इ, उ

●जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वरों ले अधिक समय लगता है। दीर्घ स्वर कहलाते हैं। जैसे- आ, ई, ऊ

●जिन स्वरों के उच्चारण में सबसे अधिक समय लगता है। वे प्लुप्त स्वर कहलाते हैं। जैसे - ओउम ।

●स्वरों की संख्या 11 होती है। व आयोगवाह 2 होते हैं। कुल स्वर 13 होते हैं। अ, आ, इ,ई. उ,ऊ ऋ, ए, ऐ, ओ, औ,अं, अः

●अनुसार के लिए (-) तथा विसर्ग के लिए (:) होता है।

स्वरों का वर्गीकरण:-

(1)मूल स्वर । ह्रस्व स्वर । लघुस्वर= अ, इ, उ, ऋ

(2) दीर्घ स्वर = आ, ई, ऊ, ए, ऐ, दीर्घ

(3) दीर्घ संधि स्वर ।सजातीय स्वर = आ, ई, ऊ

(4) संयुक्त स्वर । विजातीय स्वर = ए, ऐ, ओ,औ

संयुक्त स्वर या स्वरों का निर्माण:-

1.अ +इ = ए

2.अ.+ए = ऐ

3.अ +3 = ओ

4.अ+ओ = औ

स्वरों का उच्चारण स्थान

1- कंठय स्वर - अ, आ

2- तालव्य स्वर -इ, ई

3- ओष्ठ स्वर – उ,ऊ

4. मूर्धन्य स्वर - ऋ

5- कंठयतालव्य स्वर - ए, ऐ

6.कंठ्य ओष्ठ स्वर-ओ, औ

जीभ के आधार पर स्वरों का उच्चारण स्थान

1. अग्र स्वर- इ, ई, ए, ऐ

2. मध्य स्वर-अ

3. पश्च स्वर - आ, उ, ऊ, ओ, औ

व्यंजन:-

जो वर्ण स्वरों की सहायता से बोले जाते हैं। व्यंजन कहलाते हैं। व्यंजन 6 प्रकार के होते हैं।

1.स्पर्शी।स्पर्श व्यजन = क से म तक

2.उक्षिप्त या द्विगुण व्यंजन= ड़,ढ़

3. अनुनासिक। नासिक (प्रत्येक वर्ग का पाँचवां वर्ष होता है)= ङ., ञ, ण, न, म

4. अन्त: स्थ व्यंजन= य, र, ल, व

5.ऊष्म व्यंजन या संघर्षी व्यंजन = श, ष, स, ह

6.संयुक्त व्यंजन = क्ष, त्र, ज्ञ, श्र

- अल्पप्राण:-प्रत्येक वर्ग का 1, 3 एवं 5वाँ वर्ण अल्पप्राण कहलाता है।
- महाप्राण प्रत्येक वर्ग का 2,4 वर्ण महाप्राण कहलाता है।
- अघोष:-प्रत्येक वर्ग का 1 एवं 2 वाँ वर्ण अधोष कहलाता है।
- सघोष/घोष:-प्रत्येक वर्ग का 3,4,एवं 5 वाँ वर्ण संघोष।घोष कहलाता है।
- अन्तः स्थ व्यंजन- य, र, ल, व -अल्पप्राण/सघोष
- अर्द्ध स्वर – य,व

- पार्श्विक व्यंजन-ल
- लुंठित व्यंजन- र
- ऊष्म,संघर्षी व्यंजन- श, ष, स, ह जिनमें से श, ष, स महाप्राण/अघोष तथा ह महाप्राण/सघोष होता है
- संयुक्त व्यंजन-क्ष, त्र, ज्ञ, श्र

संयुक्त व्यंजनों का निर्माण

क् +ष = क्ष

तू +र = त्र

ज्+ञ= ज्ञ

श+र =श्र

वर्णमाला एक नजर में

- स्वरों की संख्या =11
- अयोगवाह स्वर की संख्या =02
- कुल स्वरों की संख्या =13
- स्पर्शी व्यंजनों की संख्या =25
- द्विगुण व्यंजनों की संख्या =02
- अन्तःस्थ व्यंजनो की संख्या = 04
- ऊष्म व्यंजनों की संख्या = 04

- संयुक्त व्यंजनों की संख्या = 04
- कुल वर्णों की संख्या = 52